# "समावेश उत्सव 2018"

## दिव्यांगजन सशक्तीकरण मेला

## जागरूकता सृजन कार्यक्रम

# विषय–सूची


ए. पृष्ठभूमि.....

बी लाभार्थियो.....

सी इवेंट परिचय.....

डी उद्देश्य.....

ई हाइलाइट.....

एफ लक्ष्यो और सीखना उद्देश्य.....

जी आयोजकों के बारे में.....

एच

- कार्यक्रम.....
- आयोजन की झलक.....
- प्रेस कवरेज.....

## ए. पृष्ठभूमि

''दिव्यांग सशक्तीकरण मेला'' का लक्ष्य है कि वे दिव्यांग लोगों, उनके परिवारों और नागरिक समाज के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से उनके समग्र विकास के लिए एक रोड मैप तैयार करना और साथ ही यह अन्य हितधारकों को विकलांगता और इसके संबंधित कारक को जानने का अवसर प्रदान कर सकता है। जैसा कि हम इस पर काम करते हैं क्योंकि हम ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जन जागरूकता के लक्ष्य के साथ इसे एक महान सफलता बनाने के लिए हैं। सभी दिव्यांग छात्रों को जागरूक करना और उन्हें अवसर प्रदान करना ताकि उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके और उनके समग्र विकास से यह प्रयास किया जा सके।

## बी. **लाभार्थियों**

बौद्धिक विकलांगता, सेरेब्रल पाल्सी, नेत्रहीन, मूक बधिर, शरीरिक रूप से विकलांग और उनके परिवारों के उत्तर पश्चिम जिला नई दिल्ली में एकल मेला के माध्यम से बच्चों और वयस्कों इस जागरूकता योजना का उद्देश्य दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है।

## सी. **ईवेंट परिचय**

''दिव्यांग सशक्तीकरण मेला'' का लक्ष्य है कि वे विकलांग लोगों, उनके परिवारों और नागरिक समाज के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से उनके समग्र विकास के लिए एक रोड मैप तैयार करें और साथ ही यह अन्य हितधारकों को विकलांगता और इसके संबंधित कारक को जानने का अवसर प्रदान कर सकता है। जैसा कि हम इस पर काम करते हैं क्योंकि हम ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जन जागरूकता के लक्ष्य के साथ इसे एक महान सफलता बनाने के लिए हैं। यह सभी विकलांग छात्रों को जागरूकता देने के अवसर प्रदान करता है ताकि उन्हें मुख्यधारा के समाज में स्थिर बनाने के संबंध में उनके समग्र विकास के लिए उन्हें मजबूत बनाया जा सके।

## डी. **उद्देश्य**

- लोगों के बीच विकलांगता और इसके संबंधित कार्यक्रम के लिए समाज में जागरूकता बनाएं
- सभी मौजूदा योजनाओं, सेवाओं और विकलांगों के साथ एक समय परामर्शदाता (दिव्यांग) और उनके परिवारों के मुद्दों पर और उन योजनाओं और सेवाओं के लाभ उठाने के लिए सामान्य परिचय प्रदान करना।

- जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी से दिव्यांग को मजबूत करने के लिए मुख्यधारा से उन्हें जोड़ने पर केंद्रित करना है। यह संचार, दृश्यमान सामग्री और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आसान मोड के माध्यम से किया जाता है जिससे कि हर कोई इस अवधारणा को समझ सके।
- उनके दैनिक दिनचर्या से संबंधित दिव्यांगजनों के अधिकार के लिए समर्थन।
- हमें उन परिवारों तक पहुंचने की जरूरत है जिनके पास बच्चों के बौद्धिक विकलांगता हैं और उन्हें अपने बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करना।
- हम बड़े समाज में जागरूकता पैदा करने की योजना बना रहे हैं ताकि बौद्धिक विकलांग लोगों के अधिकारों के बारे में जागरूकता के साथ एक समझ और देखभाल समुदाय हो।

## ई. हाइलाइट

1. सांस्कृतिक कार्यक्रमः सांस्कृतिक, कलात्मक अभिव्यक्ति और रचनात्मकता के संबंध में कला का विशेष स्थान एवं शक्तिशाली तरीका है जिसमें हम अपनी सांस्कृतिक पहचान विकसित करते हैं। लोग हमेशा गाना, नृत्य और संगीत के लिए एक साथ आते हैं। **विकलांग सहारा समिति दिल्ली** इस सांस्कृतिक आयोजन से अपनी छिपी हुई प्रतिभा दिखाने के लिए दिव्यांगजनों का अवसर प्रदान करता है।
2. कार्यशाला सम्मेलनः दिव्यांग लोगों को समान्य लोगों की तुलना में बेरोजगारी का समाना ज्यादा करना पड़ता है। और आर्थिक अन्याय हिमशैल की नोक है हम कुछ नवीनतम समाचारों और संसाधनों की समीक्षा करेंगे, न्याय के लिए धार्मिक कॉलों की कलात्मकता का अभ्यास करेंगे, और मंथन की वकालत की रणनीतियां

## एफ. लक्ष्यों और सीखना उद्देश्य

- विकलांगता अधिकारों में कुछ मौजूदा मुद्दों का अवलोकन प्रदान करने के लिए
- जवाबदेह भागीदारी का विचार पेश करने के लिए
- संगठनात्मक और सदस्य की भागीदारी के लिए रास्ते पर चर्चा के लिए

1. प्रतिभा खोजः 'बाधाओं को तोड़ने और क्षमता का जश्न मनाने' विकलांग सहारा समिति दिल्ली उस शब्दों पर विश्वास करते हैं और विकलांग व्यक्तियों के प्रति प्रतिभा का

आयोजन करते हैं। यह एक कल्पना नाटक, नृत्य, गायन और संगीत आदि हो सकता है।

2. निबंध प्रतियोगिताः निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन ज्ञान विकसित करने और एक विशिष्ट विषय पर जनता को प्रेरित करने के लिए किया जाता है। निबंध प्रतियोगिता भी युवा पीढ़ी के लिए अपने विचारों और कल्पनाओं का पता लगाने और एक विशेष विषय की उनकी समझ विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण है। इन निबंध प्रतियोगिताओं के माध्यम से, छात्र अपनी सोच क्षमता और समस्या सुलझाने के कौशल को बढ़ाएंगे, जो हमारे राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण है। यह साबित ट्रैक रिकॉर्ड है कि इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से राष्ट्र संबंधित समस्याओं के लिए बहुत सारे समाधान उपलब्ध कराए जाते हैं।

3. ड्राइंग प्रतियोगिताः छात्रों को प्रदान करने वाली एक विशेष ड्राइंग प्रतियोगिता, युवाओं को बड़े पैमाने पर उनकी रचनात्मकता दिखाने का अवसर। वे अपने रचनात्मक काम को एक व्यापक दर्शक के साथ साझा कर सकते हैं

4. जॉब फेयरः हमारे एजीपी कार्यक्रम में दो दिवसीय नौकरी मेला शुरू होता है। करीब 100 कंपनियां नौकरी मेले में हजारों रिक्तियों को भरने के लिए भाग ले सकती हैं। जो उम्मीदवार भाग लेना चाहते हैं, उन्हें अपनी शैक्षणिक योग्यता के अनुसार खुद को नामांकन और चयन करने की आवश्यकता है। नौकरी मेले का उचित समय 10 बजे से शाम 5 बजे तक है।

5. प्रदर्शनी सह बिक्रीः विकलांग व्यक्तियों द्वारा उत्पादित वस्तुओं को बेचने के लिए टिकाऊ मार्केटिंग सहायता प्रदान करने के लिए, प्रदर्शनी–सह–बिक्री का आयोजन, वीएसएसडी द्वारा आयोजित किया जा रहा है ताकि उन्हें प्रदर्शनी–सह–बिक्री में तालिका स्थान या स्टालों प्रदान किया जा सके। उन्हें न्यूनतम बिक्री व्यय के साथ अपने उत्पादों को बेचने का अवसर मिलता है और खरीदारों के साथ दीर्घकालिक संबंध स्थापित करने का अनुभव मिलता है।

6. भोजन स्टॉलः विकलांग सहारा समिति दिल्ली भोजन के माध्यम से कई अद्भुत और स्वादिष्ट भोजन विकल्प ऑफर करते हैं।

7. मेहंदी स्टॉलः किसी भी भारतीय अवसर पर मेहंदी को महिलाओं की सुंदरता और मेकअप में सबसे महत्वपूर्ण तत्व माना जाता है। मेहंदी न केवल किसी भी आयु वर्ग की महिलाओं की सुंदरता को बढ़ाती है बल्कि नवविवाहित और यहां तक कि एक महिला के लिए भी प्यार का प्रतीक है। यही कारण है कि विकलांग सहारा समिति दिल्ली विशेष रूप से महिलाओं के लिए एक अलग मेहंदी स्टाल की व्यवस्था करती है।

## पहला दिन

**श्री डॉ0 उदित राज**, माननीय सांसद उत्ती–पश्चिमी दिल्ली, अपने भाषण में कहां विकलांगजन सशक्तिकरण की राह पर चलने वाले मेरे सहयोगियो। मैं आज यहां सभी पुरस्कार विजेताओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। आप सब सही मायने में हमारे लिए प्रेरणा और उदाहरण हैं। विकलांगता मानव जीवन की एक अवस्था है। हममें से हर एक व्यक्ति जीवन के कुछ अंतराल में अस्थायी रूप से ही सही विकलांगता का अनुभव कर चुका है। विशेषकर, हमारे बयोवृद्ध जनों को किसी न किसी विकलांगता का सामना करने की संभावना बढ़ जाती है। इस बात को ध्यान में रखते हुए, मैं आज यहां सभी उपस्थित साथियों को बधाई दे रहा हूं कि आज ''दिव्यांग सशक्तीकरण मेला'' में आपने आकर इन दिव्यांगजनों का मनोबल बढाया हैं। यह दिव्यांग मेला सच्चे अर्थें में विकलांगजनों के लिए फिजिकल अथवा वर्चुअल सभी तरह की अधोसंरचना को परिवर्तित कर उसे सुगम्य एवं समावेषी बनाने का लक्ष्य रखता है।

**श्री मेजर जनरल दिलावर सिंह**, महानिदेशक नेहरू युवा केन्द्र, संगठन , युवा एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नेहरू युवा केंद्र संघटन (एनवाईकेएस) भारत के 623 जिलों में अपने कार्यालयों के साथ युवा मामलों के मंत्रालय और खेल मंत्रालय का एक स्वायत्त संगठन है। एनवाईकेएस दुनिया में सबसे बड़ा घास–मूल स्तर की गैर–राजनीतिक संगठन है, जिसमें 8 लाख से अधिक गैर–छात्र ग्रामीण युवाओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए 2. 9 5 लाख गांव आधारित युवा संगठनों के माध्यम से नामांकन किया गया है जिसमें शिक्षा और प्रशिक्षण, जागरूकता पैदा करने, कौशल विकास और आत्म–रोजगार, उद्यम निर्माण, बचत और सहयोग, नए विचारों और विकास रणनीतियों के निरंतर संपर्क के माध्यम से खेल और साहस और मन के माध्यम से शरीर के विकास के अलावा। इन गतिविधियों, पर्यवेक्षण, निगरानी और मूल्यांकन के संगठन के लिए, पूरे देश में 29 क्षेत्रीय कार्यालय हैं। इसके अलावा, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, एचआईवी–एड्स, नशीली दवाओं के दुरुपयोग, गरीबी उन्मूलन, बाल श्रम, पर्यावरण, संवर्धन, साक्षरता, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन और अन्य क्षेत्रों जैसे क्षेत्रों में ग्रामीण युवाओं की सक्रिय भागीदारी और भागीदारी के कार्यक्रम गांवों में स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों को मूल्य, दृष्टि और स्वैच्छिक कार्रवाई पर जोर दिया जा रहा है।

**श्री सी0 उदय कुमार**, उपायुक्त, जिला उत्तरी पश्चिमी राजस्व विभाग, दिल्ली प्रशासन से आऐ विशिष्ट अतिथि जी ने इस मेले की सरहाना करते हुऐ कहा कि विकलांग सहारा समिति दिल्ली जो कि उत्तरी पश्चिमी जिले में दिव्यांगजनों के उत्थान के कार्य पिछले कई वर्षा से करती आ रही है। उन्हें इस मिशन की बधाई देते है और आशा करते है कि वह इसी तरह से दिव्यांगजनों की सेवा करते रहेगें। हमारी आपसे और आपके साथ जूड़े सभी लोगों से यही कहेना है कि जैसा आप लोग इन दिव्यांगजनों के लिए कार्य कर रहे है वह सरहनीय कार्य

है। हमारा विभाग भी आपके साथ जोडकर इन सभी दिव्यांगजनों के लिए हमेशा से आगे रहेगें।

**श्रीमति कृष्णा शर्मा**, जिला समाज कल्याण अधिकारी, समाज कल्याण विभाग, दिल्ली सरकार, विकलांगों के लिए कल्याणकारी कार्यक्रम और सेवाएं प्रदान करता है, वृद्ध और निराधार के लिए आवासीय देखभाल घरों और गैर–संस्थागत सेवाओं के नेटवर्क के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा प्रदान करता है। इसके अलावा यह विभाग विकलांग व्यक्तियों के रास्ते भी प्रदान करता है और सामान्य जनता के बीच विभाग के कल्याणकारी उपायों के बारे में जागरूकता पैदा करता है। अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, सामाजिक कल्याण विभाग ने अपने 10 जिलों इकाइयों के स्तर पर अपने कार्यक्रम के कार्यान्वयन को विकेंद्रीकृत कर दिया है, विकलांग सहारा समिति दिल्ली की में तह दिल से धन्यवाद करती हूँ कि वह इस क्षेत्र में दिव्यांगजनों के लिए इस तरह के अवसर प्रदान कर रहे है।

## दूसरा दिन

**श्री राजेन्द्र बागड़ी**, निगम पार्षद वार्ड नं0 56, ने कहा कि विकलांग लोगों के लिए, इसका मतलब हितों से होता है जो बहुमत को प्रभावित करते हैं और जो कि उन्हें अल्पसंख्यक के रूप में दागते हैं। अक्षम लोगों को गरीबी में रहने की अधिक संभावना है, उनकी औपचारिक योग्यता नहीं है या उनके गैर–अक्षम समकक्षों की तुलना में बेरोजगार हैं। अक्सर, गंभीर समस्याएं जो हर किसी को प्रभावित करती हैं, वह अक्षम कठिन परिस्थितियों को प्रभावित करती हैं। यह सब बहुत आसान है, जो कि विकलांग व्यक्तियों के साथ मुख्यधारा की नीति में अपंगता आयाम को नजरअंदाज करने के लिए मुश्किल से विकलांग व्यक्तियों को छोड़ देता है, उन मुद्दों को छोड़ दें जो विकलांग लोगों को प्रभावित करते हैं। जैसा कि विकलांगता लाभ घटा दिए जाते हैं, आप मदद नहीं कर सकते लेकिन आश्चर्यचकित हैं। पार्षद जी ने कहा की इस दिव्यांगजन सशाक्तिकरण मेले के जरीऐ दिव्यांगजनों में एक नई उन्नती पेदा होगी और आगे बढने के लिए लाभ मिलेगा।

**श्रीमति कृष्णा परमार**, निगम पार्षद वार्ड नं0 54, ने अपने शब्दो में कहा कि वास्तव में, हर जगह बाधाएं हैंय यहां तक कि सबसे बुनियादी जैसे एक व्हीलचेयर के साथ सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने में सक्षम नहीं है या बिना संकेत भाषा के अनुवादक के संपर्क में है। सरकार ने इसके लिए मदद करने के लिए निधि का शुभारंभ किया। लेकिन जब तक हम वित्तीय से परे जाने वाले बाधाओं को दूर नहीं करते हैं, तब तक इसमें कुछ सुधार होगाय सांसदों को नौकरी शेयर या विकलांगता की धारणा को बताने से इनकार करना, कि एक बैले बॉक्स की गोपनीयता में, विकलांग व्यक्ति की चुनावी क्षमता को प्रभावित कर सकता है ये बाधाएं सांस्कृतिक हैं और इसके लिए बदलाव करना कठिन है।विकलांग लोगों को संसद में लाने के लिए जो संदेश समझा जाना चाहिए वह वही है जो उन्हें कहीं मिलेगाः शारीरिक विकलांगता का समर्थन करने का मतलब यह नहीं है कि किसी व्यक्ति को कम सक्षम नहीं है।

## जी. **विकलांग सहारा समिति दिल्ली के बारे में**

हम सफलतापूर्वक एक गैर–सरकारी संगठन विकलांग सहारा समिति दिल्ली चला रहे हैं। मैं आपको हमारी संगठन विकलांग सहारा समिति दिल्ली का एक संक्षिप्त परिचय भेज रहा हूँ। विकलांग सहारा समिति दिल्ली एक गैर–सरकारी संगठन है जो 1994 से समाज के हाशिए और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से दिव्यांग लोगों और युवाओं के कल्याण और शिक्षा के लिए काम कर रही है। समाज में दिव्यांग लोगों में से अधिकांश केंद्र/राज्य सरकार द्वारा की जाने वाली बुनियादी सुविधाएं भी प्राप्त करने में सक्षम नहीं थें। इसलिए, **विकलांग सहारा समिति दिल्ली** सोसायटी अधिनियम के तहत स्थापित है और समाज में विकलांग लोगों की जरूरतों को पूरा करने और उनकी पूर्ति के लिए एक गैर–लाभ संगठन के रूप में दिसंबर 1994 में एक सामाजिक संगठन बन गया। यह सहायता मूल शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण, व्यावसायिक प्रशिक्षण और प्लेसमेंट आदि के संदर्भ में है। **विकलांग सहारा समिति दिल्ली** ने सभी प्रकार के विकलांग लोगों को सहायता के लिए सफलतापूर्वक अपनी परियोजनाओं और लक्ष्य केंद्रित कार्यक्रमों को लागू किया है। **विकलांग सहारा समिति दिल्ली** प्रत्येक दिव्यांग लोगों को और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को उनकी जाति, पंथ, लिंग, धर्म, आदि के आधार पर भेद भव नही करती है उनको सामान अवसर प्रदान करती है ताकि उनके समग्र विकास के लिए एक उपयुक्त वातावरण में गुणवत्तापूर्ण व्यावसायिक प्रशिक्षण और उचित मार्गदर्शन प्रदान किया जा सके। हाल ही में, हमारे व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा दिव्यांगों और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग को प्रतिबद्ध सेवाएं प्रदान करने के अपने लक्ष्य के प्रति तक पहुंच रहे हैं और हमारा लक्ष्य है कि लाभप्रद रोजगार के माध्यम से उन्हें सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इसके लिए हम ग्रामीण और साथ ही दिल्ली और एनसीआर के झुग्गी क्षेत्रों के छात्रों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से कौशल विकसित करने के प्रयास भी बना रहे हैं। हम विशेषकर कल्याण के लिए काम कर रहे हैं, दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सुधार और वंचित युवा। हम दिव्यांग लोगों और वंचित युवाओं के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण पर काम कर रहे हैं, प्रशिक्षण के सफल समापन के बाद, हम इन उम्मीदवारों को नौकरी की नियुक्ति के लिए कहते हैं। हम दिव्यांग लोगों के लिए एड्स/उपकरण, मार्गदर्शन परामर्श भी प्रदान कर रहे हैं। दिव्यांग के प्रकारों के बारे में, हम कई प्रकार के दिव्यांग के लिए काम कर रहे हैं जिसमें शरीरिक रूप से दिव्यांग (ओएच), मूक बधिर हानि (एचएसआई) और नेत्रहीन (टप्) शामिल हैं। लेकिन अधिकतम संख्या उम्मीदवारों की शरीरिक रूप से दिव्यांग हैं और उम्मीदवारों की योग्यता मैट्रिक हैं और ऊपर पोस्ट ग्रेजुएट तक भी। मैं दिव्यांग जनों की अधिक से अधिक पहुंच और उनके टिकाऊ आजीविका सुनिश्चित करने के लिए संभव सहयोग के लिए तत्पर होगा।

## एच. कार्यक्रम।

'विकलांग सहारा समिति दिल्ली' द्वारा शहीद भगत सिंह स्टेडियम, मंगोल पूरी दिल्ली में 2 दिवसीय 'दिव्यांगजन सशक्तिकरण मेला 2018' आयोजित किया गया। मेला दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिक्ता मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में किया गया। 2 दिनों में लगभग 1200 दिव्यांगजन इस मेले में आए और 2000 गैर दिव्यांग जनों ने इस मेले में भाग लिया। जिनमे रोजगार पंजीकरण कुल 350, विवाह पंजीकरण 100, कौशल प्रशिक्षण पंजीकरण 450, एवं अन्य लोगों को सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देकर लाभान्वित किया गया। पहले दिन 'दिव्यांगजन सशक्तिकरण मेले' का उद्घघाटन 'मुख्य अतिथि डॉ उदित राज,' सांसद, उत्तर पश्चिमी दिल्ली एवं 'मेजर जनरल दिलावर सिंह' महानिदेशक, नेहरू युवा केन्द्र संगठन, भारत सरकार ने किया। कार्यक्रम में विकलांग सहारा समिति दिल्ली के संस्थापक डॉ राधेश्याम, श्री बजरंगलाल गुप्ता, श्री विष्णु सिंघल, श्री कपिल कुमार अग्रवाल, मनोज मिगलानी, बंटी सोलंकी, दिनैश जैन, रामेश्वर गर्ग, विनोद शर्मा सहित जिला उपायुक्त श्री सी0 उदय कुमार, एवं जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रीमति कृष्णा शर्मा, इत्यादि मौजूद थे। मेले में 43 से अधिक संस्थाओ के स्टाल लगाए गए जिसमे दिव्यांगजन हेतू सूचनाएं प्रदान की गईं। साथ ही एक कार्यशाला का आयोजन भी किया गया जिसमें नेसकॉम फॉउन्डेशन में सी.ई.ओ. श्रीकांत सिन्हा, दिल्ली सरकार के आयुक्त विकलांगता, श्री टी डी धारियाल, सारिका चौधरी, सदस्य दिल्ली महिला आयोग क्रै। छवतजी से सचिव श्री धीरेंद्र राणा, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्री पी0आन्नदा राव, विकलांग पुनर्वास केंद्र (टत्ब्द्ध श्री जेनेद्र एवं दुसरी कार्याशाला में श्रीमती सुवर्णा राज, छ।।प श्री रजत मोहन एवं सार्थक एडुकेशन ट्रस्ट से सोनू भोला इत्यादि मौजूद रहे।

मेला के दूसरे दिन ड्राइंग पेंटिंग एवं डांसिंग की प्रतियोगियों का आयोजन किया गया। जिसके बाद सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं सर्टिफिकेट वितरित किए गए। इंदरजीत शौकीन, सीमा जाटव (पूर्व निगम पार्षद) प्रताप डोगरा, दलीप गुप्ता, आशीष गर्ग, आदि मौजूद रहे। साथ ही मेले में 20 दिव्यांगजनों को समाज में उत्कृष्ट कार्य करने हेतू 'टैक गौरव पुरस्कार 2018' से सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण रोहिणी विधान के विधायक 'श्री महेंद्र गोयल' द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि श्री विकास प्रसाद निदेशक दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, भारत सरकार, एम एम विद्यार्थी, उपायुक्त विकलांगता, दिल्ली सरकार, पंकज कुमार सी,एस,आर हेड ज्च्क्क्स् निगम पार्षद कृष्णा परमाल इत्यादि उपस्थित थे। 'प्रमुख सम्मानित व्यक्ति। 'श्री प्रशांत वशिष्ट' जो मेडिकोन ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। इन्होंने 5000 हजार से ज्यादा दिव्यांगजनों के परिवारों के 2 लाख रुपए का मेडिकल इंसोरेंस स्पांसर किए हैं, भारत सरकार की स्वाबलंबन हेल्थ स्कीम के अंतर्गत। तेजस्वी शर्मा ये दिव्यांग होते हुए भी अन्तराष्ट्रीय योगा चौंपियन हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय से विधि में स्नातक के विद्यार्थी हैं। कीर्ति चौहान दिल्ली के सरकारी स्कूल में अध्यापक हैं और नेशनल लेवल के पैरा एथलिट हैं। पूनम ढांडा सामाजिक कार्यकर्ता एवं सफदरजंग अस्पताल में विभाग प्रमुख

रिहैबिलिटेशन डिपार्टमेंट। दिव्या बब्बर दिव्यांग महिला है और दिव्यांगजन के लिए अद्वित्य कार्य कर रही हैं। अभिषेक मिश्रा एक सामाजिक संस्था उन्नत भारत के संचालन के साथ विभिन्न सरकारी योजनाओं के लिए जनता संवाद कार्यक्रम चलना इनकी प्रमुख कर्यक्रम है। विशाल वर्मा समाज कल्याण विभाग, दिल्ली सरकार में कार्यरत। अलका दुआ सामाजिक कार्यकर्ता सुरेन्द्र कुमार सुरेंदर जी उड़ाना पंचायत हल्का इंद्री जिला करनाल हरियाणा के सरपंच है ओर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम को चला रहे है सीमा मल्होत्रा दिव्यांग महिला है और सरकारी बैंक में कार्यरत हैं। अंजू दिव्यांग महिला हैं और गायकी में माहिर। सोनू भोला युवा समाज सेवक एवम 10 मीटर एयर पिस्तौल के राष्ट्रीय खिलाड़ी है जो अपने प्रयास से लोगों की सेवा में लगे है। विजय कुमार दिव्यांग होने के बावजूद दिव्यांग जनों के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर रहे हैं। कार्यक्रम के आयोजक डॉ राधेश्याम, श्री बजरंगलाल गुप्ता, श्री विष्णु सिंघल, श्री कपिल कुमार अग्रवाल, मनोज मिगलानी, बंटी सोलंकी, दिनैश जैन, रामेश्वर गर्ग, विनोद शर्मा, प्रदीप राज इत्यादि भी मौजूद थे।

<u>कार्यक्रम</u>

पहला दिन

# "समावेश उत्सव 2018"

दिव्यांगजन सशक्तीकरण मेला

## जागरूकता सृजन कार्यक्रम

31 मार्च 2018 शहीद भगत सिंह स्टेडियम, मंगोलपुरी दिल्ली

| Time | Registration | |
|---|---|---|
| 8.30 am To 9.30 am | Registration | |
| 9.30 am To 10.00 am | Welcome to the Guest | |
| 10.00 am To 10.10 am | VSSD VT MP Ganesh Vandana | Ms. Chanchal Aggarwal |
| 10.30 am | Inauguration - Lamp Lightning | |
| 10.40 am To 10.50 am | Welcome and Introduction to Awareness generation camp | Mr Kapil Kumar Aggarwal ( Founder of VSSD) |
| 10.50 To 11.00 am | Cultural Program(HCRA Group Dance) | Mr Lokender |
| 11.00 am To 11.10 am | Cultural Program( FSSB Vikas Centre) | Mr Dinesh Jain |
| 11.10 am To 11.20 | Introduction to VSSD | Mr Radhey Shyam ( Chairman) |
| 11.20 To 11.30 am | cultural Program(VSSD Disha Centre Group Dance) | Ms Zaiyra |
| 11.30 am To 12.00 pm | Felicitation of the Guest | Governing body of VSSD( Mr Bajrang ,Mr Vishnu,mr Manoj,Dr Radhey Shyam) |
| 12.05 pm To 12.15 pm | Cultural Program (VSSD vt centre Mp Duet Dance) | Ms. Chanchal Aggarwal |
| 12.20 pm To 12.30 pm | Cultural Program (VSSD vt centre Mp Solo Dance) | Ms. Chanchal Aggarwal |
| 12.35 pm To 12.50 pm | Cultural Program ( FSSB Vikas Centre Solo Dance) | Mr. Dinesh Jain |
| 1.00 pm To 2.00 pm | Lunch | |
| 2.00 pm To 4.30 pm | Workshop on. "Introductgion of Schemes and Accessible india campaing and its implementation" & " Access to entitlement to Persons with Disabilities through Govt. and stakeholders". | Ms. Divya Babbar |
| 4.30 To 5.00 pm | Closure With Networking Tea | |

कार्यक्रम

दूसरा दिन

# "समावेश उत्सव 2018"

दिव्यांगजन सशक्तीकरण मेला

## जागरूकता सृजन कार्यक्रम

01 अप्रैल 2018 शहीद भगत सिंह स्टेडियम, मंगोलपुरी दिल्ली

| Time | Registration | |
|---|---|---|
| 8.00 am To 9.00 am | Registration For Drawing/Essay | Ms Kavita & Mr. Sushil |
| 9.00 am To 10.00 am | Drawing /Essay Competition | Ms Kavita & Mr. Sushil |
| 10.00 am To 1.00 pm | Talent Hunt | Ms. Mala |
| 1.00 pm To 2.00 pm | Lunch | Dr. Radhey Shyam |
| 2.00 pm To 4.30 pm | Closing & Award Ceremony | Ms. Sonny |
| 4.30 pm To 4.50 pm | Vote of Thanks - Kapil Kr. Aggarwal | |
| 4.30 pm To 5.00 pm | Closure with Networking Tea | Dr. Radhey Shyam & Mr. Vinod Sharma |

## कार्यक्रम की झलक

# कार्यक्रम की झलक

दिव्यांगजन सशक्तिकरण मेला 20

शहीद भगत सिंह मिन्नी स्टेडियम, ब्लॉक, मंगोल पुरी, दिल्ली
विवार, 1 अप्रैल 2018

विकलांग सहारा समिति दिल्ली
दिव्यांगजन सशक्तिकरण मेला 2018

दिव्यांगजन सशक्तिकरण मेला 20

# कार्यक्रम की झलक

# कार्यक्रम की झलक

विकलांग सहायता समिति दिल्ली
दिव्यांगजन सशक्तिकरण मेला 2018

विकलांग सहायता समिति दिल्ली
दिव्यांगजन सशक्तिकरण मेला 2018

दिव्यांगजन सशक्तिकरण मेला 2018

Inclusive

# कार्यक्रम की झलक

AMPAIGN

सेवा में,
आदरणीय प्रधान मंत्री जी
दिव्यांग जनों को "दिव्यांग"
शब्द देने के लिए कोटी-कोटी नमन्।
धन्यवाद

# कार्यक्रम की झलक

शनिवार, 31 मार्च 2018 से रविवार, 1 अप्रैल 2018
Inclusive

दिव्यांगजन सशक्तिकरण मे

# कार्यक्रम की झलक

विकलांग सहारा स
दिव्यांगजन सशक्तिक
NEAR STAND TEE

दिव्यांगजन सशक्तिकरण मेला 2018

सहारा समिति दिल्ली
करण मेला 2018

विकलांग सहारा समिति दिल्ली
दिव्यांगजन सशक्तिकरण मेला 2018

# कार्यक्रम की झलक

# कार्यक्रम की झलक

AGP 2018
विकलांग सहायता समिति दिल्ली
दिव्यांगजन सशक्तिकरण मेला 2018

विकलांग सहायता समिति दिल्ली

AGP2018
विकलांग सहायता समिति दिल्ली
दिव्यांगजन सशक्तिकरण मेला 2018

AGP2018
विकलांग सहायता समिति दिल्ली
गजन सशक्तिकरण मेला 2018

# प्रेस कवरेज

## दिव्यांगजन सशक्तिकरण मेला 2018 बड़ी धूमधाम से मनाया

दिव्यांगजन सशक्तिकरण मेले' के उद्घाटन समारोह में मंचस्थ हैं उदित राज व अन्य।

## मंच पर दिव्यांगों ने दिखाई प्रतिभा, मिला सम्मान

नागरम संवाददाता, बहरी दिल्ली :

मंगोलपुरी के शहीद भगत सिंह स्टेडियम में दिव्यांग सशक्तिकरण मेले का आयोजन किया गया। दो दिवसीय इस आयोजन का उद्देश्य दिव्यांगों की प्रतिभा को विकसित करना था। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय के तत्वावधान में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। सांसद उदित राज ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर दिव्यांगों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देते हुए सभी को अचम्भे में डाल दिया। इसके तहत लोक नृत्य, गायन व अभिनय के अलावा दिव्यांगों ने मौजूदा समय के रैंप संगीत को प्रतिभा को सबके सामने पेश किया। कार्यक्रम में आए हुए सभी दर्शकों ने इसकी सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मेले में कुल 1200 दिव्यांगों ने भाग लिया। इसके अलावा बड़ी संख्या में लोग मेले में पहुंचे। इसके अंतर्गत दिव्यांगों को जागरूकता के लिए प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें रोजगार प्रशिक्षण, पंजीकरण, विवाह पंजीकरण, कौशल प्रशिक्षण पंजीकरण जैसे सरकारी योजनाओं की जानकारी से उन्हें अवगत कराया गया। इसके अलावा दिव्यांगों के लिए रैंटिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की और विजेताओं और प्रतिभागियों को पुरस्कार सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मेजर जनरल दिलावर सिंह, विकलांग सहारा समिति के संस्थापक महासचिव कपिल कुमार अग्रवाल, डीपी सी उदय कुमार, पैरा एथलीट एवं राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता प्रदीप राज व अन्य मौजूद रहे। कार्यक्रम में 20 दिव्यांगजनों को समाज में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। सम्मानित दिव्यांगों में तेजस्वी शर्मा, कीर्ति चौहान, पूनम होडा, दिव्या बब्बर, विशाल वर्मा, अलका दुआ, सौम मलोत्रा, अंजु, विजय कुमार व अन्य शामिल रहे। कार्यक्रम में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के निदेशक विकास प्रसाद बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। इसके अलावा एमएन विद्यार्थी, उपायुक्त विकलांगता, दिल्ली सरकार व अन्य गणमान्य मौजूद थे।

मंगोलपुरी स्थित शहीद भगत सिंह स्टेडियम में आयोजित दिव्यांगजन सशक्तिकरण मेले में प्रस्तुति देते दिव्यांग • जागरण

## दो दिवसीय 'दिव्यांगजन सशक्तिकरण मेला' आयोजित

मंगोलपुरी (संवाददाता)।

विकलांग सहारा समिति दिल्ली द्वारा शहीद भगत सिंह स्टेडियम, मंगोलपुरी में 2 दिवसीय 'दिव्यांगजन सशक्तिकरण मेला 2018' आयोजित किया गया। यह मेला दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, समाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के तत्वावधान में किया गया। 2 दिनों में लगभग 1200 दिव्यांगजन इस मेले में आए और 2000 से दिव्यांगजनों ने इस मेले में भाग लिया। इसमें रोजगार पंजीकरण 350, विवाह पंजीकरण 100, कौशल प्रशिक्षण पंजीकरण 450 एवं अन्य लोगों को सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देकर लाभान्वित किया गया।

पहले दिन दिव्यांगजन सशक्तिकरण मेला का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ उदित राज (सांसद, उत्तर पश्चिमी दिल्ली) एवं मेजर जनरल दिलावर सिंह (महानिदेशक, नेहरू युवा केन्द्र संगठन) ने किया। कार्यक्रम में विकलांग सहारा समिति के संस्थापक महासचिव कपिल कुमार अग्रवाल (राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता) सहित जिला अधिकारी उदय कुमार, दिव्या बब्बर, दिलीप कुमार, कीर्ती कृष्णा शर्मा इत्यादि मौजूद थे।

मेले में 43 से अधिक संस्थाओं के स्टाल लगाए गए जिनमें दिव्यांगजन हेतु सूचनाएं प्रदान की गईं। इसके साथ ही एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें सेवाकेन फाउन्डेशन में सी.ई.ओ. श्रीकांत मिश्रा, दिल्ली सरकार के अपंगता विकलांगता टी.डी. धारियाल, सारिका चौधरी (सदस्य दिल्ली महिला आयोग), DLSA North से सचिव धीरेंद्र राणा, DSW नार्थ के जिला सोशल वेलफेयर अफसर आनंद रॉ, विकलांग पुनर्वास केंद्र के उपनिदेशक एवं डीआरसी सुरभी राज, NAAI रजत मोहन एवं सार्थक एजुकेशन ट्रस्ट से सोनू भोला इत्यादि मौजूद रहे।

मेले में दूसरे दिन सुहाग, वीरता एवं उदीयमान प्रतिभागियों का आयोजन किया गया, जिसमें बाद सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं सर्टिफिकेट वितरित किए गए। इस अवसर पर इंदरजीत शर्मा, प्रताप सेठना, एमएन पृथ्वी, अशोक राणा आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम के आयोजक डॉ. राधेश्याम, कवरी लाल गुप्ता, विष्णु सिंघल, कपिल कुमार अग्रवाल, गगन मित्तलवानी, कीर्ती मलोत्रा, दिनेश जैन, रामेश्वर राणा, विनोद शर्मा, प्रदीप राय इत्यादि भी इस अवसर पर मौजूद थे।

## विकलांग सहारा समिति दिल्ली द्वारा शहीद भगत सिंह स्टेडियम, मंगोलपुरी दिल्ली में दिव्यांगजन सशक्तिकरण मेला

## दिव्यांगजनों के दो दिवसीय मेले में पहुंचे हजारों दिव्यांग

नई दिल्ली, लोकस्वर

विकलांग सहारा समिति दिल्ली की ओर से शहीद भगत सिंह स्टेडियम मंगोलपुरी में 2 दिवसीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण मेला 2018 आयोजन किया गया। मेला दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में किया गया। 2 दिनों में करीब 1200 दिव्यांगजन इस मेले में आए और 2000 से दिव्यांग जनों ने इस मेले में भाग लिया। इसमें रोजगार पंजीकरण कुल 350, विवाह पंजीकरण 100, कौशल प्रशिक्षण पंजीकरण 450 एवं अन्य लोगों को सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देकर लाभान्वित किया गया। पहले दिन दिव्यांगजन सशक्तिकरण मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि नार्थ वेस्ट दिल्ली से सांसद डॉ उदित राज एवं मेजर जनरल दिलावर सिंह महानिदेशक नेहरू युवा केन्द्र संगठन भारत सरकार ने किया। कार्यक्रम में

**सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के तत्वाधान में आयोजन**

विकलांग सहारा समिति के संस्थापक महासचिव कपिल कुमार अग्रवाल राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सहित जिला अधिकारी उदय कुमार, दिव्या बब्बर, दिलीप कुमार, कृष्णा शर्मा इत्यादि मौजूद थे। मेले में 43 से अधिक संस्थाओं के स्टाल लगाए गए जिनमें दिव्यांगजन हेतु सूचनाएं प्रदान की गईं। साथ ही एक कार्यशाला का आयोजन भी किया गया जिसमें सेवाकेन फाउन्डेशन में सीईओ श्रीकांत मिश्रा, दिल्ली सरकार के आयुक्त दिव्यांगता डीडी धारियाल, सारिका चौधरी सदस्य दिल्ली महिला आयोग, डीएसएसबी नार्थ से सचिव धीरेंद्र राणा, डीएसडब्लू नार्थ के जिला सोशल वेलफेयर अफसर आनंद रॉ विकलांग पुनर्वास केंद्र डीआरसी जिन्हे एवं सुरभी राज, एनएएआई रजत मोहन एवं सार्थक एजुकेशन ट्रस्ट से सोनू भोला इत्यादि मौजूद रहे।

## मंगोलपुरी में दिव्यांजन सशक्तिकरण मेला

# प्रेस कवरेज

## 2 दिवसीय 'दिव्यांगजन सशक्तिकरण मेला 2018' का आयोजन किया गया

नई दिल्ली (खे.सं.)। 'विकलांग सहारा समिति दिल्ली' द्वारा शहीद भगत सिंह स्टेडियम, मंगोल पुरी दिल्ली में 2 दिवसीय 'दिव्यांगजन सशक्तिकरण मेला 2018' का आयोजन किया गया। मेला दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारित्ता मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में आयोजित किया गया। दो दिन चलते इस [illegible] 1200 दिव्यांगजन और 2000 गैर [illegible] इस मेले में भाग लिया। जिनमे [illegible] पंजीकरण कुल 350, विवाह पंजीकरण 100, कौशल प्रशिक्षण पंजीकरण 450, एवं अन्य लोगों को सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देकर लाभान्वित किया गया। पहले दिन 'दिव्यांगजन सशक्तिकरण मेले' का उद्घाटन 'मुख्य अतिथि डॉ उदित राज,' सांसदें, उत्तर पश्चिमी दिल्ली एवं 'मेजर जनरल दिलावर सिंह' महानिदेशक नेहरू युवा केन्द्र संगठन, भारत सरकार ने किया। कार्यक्रम में विकलांग सहारा समिति के संस्थापक महासचिव कपिल कुमार अग्रवाल (राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता), सहित जिला अधिकारी उदय कुमार, दिवया बब्बर, दिलीप कुमार, श्रीमती कृष्णा शर्मा, प्रदीप राज इत्यादि मौजूद थे। मेले में43 से अधिक संस्थाओ के स्टाल लगाए गए, जिसमे दिव्यांगजन हेतु सूचनाएं प्रदान की गईं। साथ ही एक कार्यशाला का आयोजन भी किया गया जिसमें नेसकॉम फॉउन्डेशन में सी.ई.ओ. श्रीकांत सिन्हा, दिल्ली सरकार के आयुक्त विकलांगता, टी डी धारियाल, सारिका चौधरी, सदस्य दिल्ली महिला आयोग भी उपस्थित थे। मेले में 20 दिव्यांगजनों को समाज में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु गौरव पुरस्कार 2018 से सम्मानित किया गया।

## मेले के दूसरे दिन 1200 दिव्यांगों ने लाभ उठाया

नई दिल्ली | वरिष्ठ संवाददाता

विकलांग सहारा समिति दिल्ली द्वारा दिव्यांगजन सशक्तिकरण मेले का रविवार को दूसरा दिन था। दोनों दिन में 1200 दिव्यांगजन इस मेले में आए।

वहीं, 2000 गैरदिव्यांग जनों ने इस मेले में भाग लिया। इनमें रोजगार पंजीकरण कुल 350 लोगों का हुआ। विवाह पंजीकरण 100 लोगों का हुआ। इस दौरान कौशल प्रशिक्षण पंजीकरण 450 लोगों का हुआ। सरकार की विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी दी गई। रविवार को 20 दिव्यांगजनों को समाज में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए वीएसएसडी गौरव पुरस्कार 2018 से सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण विधायक महेंद्र गोयल ने किया। प्रशांत वशिष्ट, तेजस्वी शर्मा (योगा चैंपियन), कीर्ति चौहान (अध्यापक), पूनम ढांडा (सामाजिक कार्यकर्ता एवं सफदरजंग अस्पताल में विभाग प्रमुख रिहैबिलिटेशन डिपार्टमेंट) आदि को सम्मानित किया गया।

## दिव्यांगों के लिए मेले का आयोजन

नई दिल्ली (का.सं.)। विकलांग सहारा समिति ने शहीद भगत सिंह स्टेडियम, मंगोलपुरी में दिव्यांगजन सशक्तिकरण मेला आयोजित किया। मेले का उद्घाटन सांसद डॉ उदित राज ने किया।

मेला दो दिन चलेगा। शनिवार को एक कार्यशाला आयोजित की गई। इसमे नेसकॉम फॉउन्डेशन में सी.ई.ओ. श्रीकांत सिन्हा, दिल्ली सरकार के आयुक्त विकलांगता टी डी धारियाल, सारिका चौधरी, सदस्य दिल्ली महिला आयोग एवं श्रीमती सुवर्णा राज इत्यादि मौजूद रहे। रविवार को मेले में पेंटिंग एवं डांसिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

## दिव्यांगजन सशक्तिकरण मेला 2018 बड़ी धूमधाम से मनाया

दिव्यांगजन सशक्तिकरण मेले' के उद्घाटन समारोह में मंचस्थ डॉ उदित राज व अन्य।

## विकलांग सहारा समिति द्वारा मंगोलपुरी में दो दिवसीय 'दिव्यांगजन सशक्तिकरण मेला 2018' आयोजित